वो लड़का जिसे प्रकृति से प्यार था

"इस प्रकार, लगभग हर दिन, स्कूल जाने के बजाय, जहाँ मुझे जाना चाहिए था, मैं आमतौर पर खेतों में घूमता था और वहां मैं दिन बिताता था; मेरी छोटी टोकरी मेरे साथ जाती थी, जो अच्छी खाने की चीजों से भरी होती थी, और जब मैं घर लौटता था, चाहें सर्दी हो या गर्मी, टोकरी फिर से उन चीज़ों से भर होती थी जिन्हें मैं अपनी जिज्ञासा कहूंगा, जैसे कि पक्षियों के घोंसले, पक्षियों के अंडे, पौधे, सभी प्रकार के फूल, और यहां तक कि कंकड़ भी जो मैंने नदी के किनारे इकट्ठे किए थे."

बड़े होने से पहले ही वो एक प्रसिद्ध प्रकृतिवादी थे, तब जॉन जेम्स ऑडबोन ने जंगल में अपनी कई लंबी यात्राओं के बारे में अपने जीवन की कहानी एक डायरी में लिखी. ऑडबोन का जन्म 1785 में, कैरेबियन द्वीप सैंटो डोमिंगो में हुआ था. उनके पिता एक फ्रांसीसी समुद्री कप्तान थे और उनके जन्म के तुरंत बाद ही उनकी मां की मृत्यु हो गई थी.

जब वो चार साल के थे, तब उनके पिता उन्हें और उनकी बहन को वापस फ्रांस ले गए, और वहां एक सौतेली माँ ने उनका पालन-पोषण किया, जो उन दोनों बच्चों को बहुत प्यार करती थीं. फ्रांसीसी क्रांति अभी शुरू ही हुई थी, लेकिन कैप्टन ऑडबोन रिपब्लिकन के पक्ष में थे, इसलिए उन्हें डरने की कोई बात नहीं थी.

हालाँकि उनका वो सगा बेटा नहीं था, श्रीमती ऑडबोन जीन जैक्स को, फ्रांस का सबसे चतुर और सबसे सुंदर लड़का मानती थीं. जब पति दूर होते, तो वो उसे वो सब करने देती थीं जो वो करना चाहता था. उसे ड्राइंग, तलवारबाजी और संगीत के पाठ पसंद थे, लेकिन उसे गणित और वर्तनी और व्याकरण बहुत नीरस लगती थी. जॉर्ज वाशिंगटन की तरह, उसने भी कभी ठीक से वर्तनी नहीं सीखी और उसकी डायरियों से पता चलता है कि विराम चिह्नों के बारे में उसके कुछ बहुत ही अजीबो-गरीब विचार थे.

जब कैप्टन ऑडबोन को छुट्टी मिलती, तो वो अपने परिवार के साथ लॉयर नदी के किनारे कुएरोन में अपने गांव के घर में रहने चले जाते थे. वो हमेशा जीन जैक्स के प्रकृति संग्रह में बहुत रुचि लेते थे, लेकिन एक दिन वो यह जानकर बहुत निराशा हुए कि उनका बेटा लगभग कुछ नहीं जानता था. पिता ने उस समय बेटे से कुछ नहीं कहा, लेकिन जब वो वापस ड्यूटी पर निकले, तो वो जीन जैक्स को अपने साथ ले गए. ऑडबोन की डायरी से हमें पता चलता है कि फिर क्या हुआ.

जब वे रोशफोर्ट में अपने पिता के आवास पर पहुंचे, तो कप्तान ने जीन जैक्स को अपने पास बैठाया और उसका हाथ पकड़कर कहा: "मेरे प्यारे बेटे, मैं तुम्हें यहाँ इसलिए लाया हूँ कि मैं तुम्हारी पढ़ाई पर लगातार ध्यान दे सकूं. तुम्हारे पास आराम करने के लिए पर्याप्त समय होगा, लेकिन बाकी समय को तुम्हें मेहनत और देखभाल के साथ नियोजित करना होगा."

जीन जैक्स ने अपने पिता को खुश करने की बहुत कोशिश की, लेकिन फिर भी उन्हें भूगोल या सैन्य इतिहास के बजाए, नृत्य या वायलिन बजाना पसंद था. जब वो 14 साल के थे, तब उनका दाखिला रोशफोर्ट के मिलिट्री स्कूल में हुआ. नेपोलियन तभी फ्रांस में सत्ता में आया था, और कैप्टन ऑडबोन को उम्मीद थी कि उनका बेटा नई सेना में अच्छा प्रदर्शन करेगा. तेजतर्रार वर्दी में एक सैनिक होने के विचार से जीन जैक्स भी काफी प्रसन्न थे, लेकिन एक युद्धपोत पर समुद्र में एक छोटी यात्रा के बाद, उनका विचार बदल गया. हमेशा की तरह उनके शांत पिता ने उन्हें मिलिट्री स्कूल छोड़ने दिया.

गांव में वापस, जीन जैक्स ने एक अमीर, युवा का जीवन व्यतीत किया. सौतेली माँ का उन्हें बिगाड़ने में काफी बड़ा हाथ था. माँ ने उसे बढ़िया कपड़े, ढेर सारे पैसे और वो सारी आज़ादी दी जो वो चाहता था. अब जीन जैक्स ने अपना अधिकांश समय फिर से खेतों और जंगल में घूमने, पक्षियों के घोंसलों की तलाश में, अंडों की जांच करने और अपने जिले के पक्षियों के सैकड़ों चित्र बनाने में बिताया. वो ड्राइंग में इतना अच्छा था कि उसके पिता ने उसे कला का अध्ययन के लिए पेरिस भेज दिया.

कुछ महीनों के लिए जीन जैक्स ने ड्राइंग बनाने में संघर्ष किया. फिर वो दुबारा घर चला गया. उसने तय किया था कि जीवित चीजों के आकर्षक चित्र बनाने का एकमात्र तरीका लगातार उनका अभ्यास करते रहना था. जीन जैक्स के अठारहवें जन्मदिन के तुरंत बाद, पिता ने बेटे को किसी भी करियर के लिए प्रशिक्षित करने की सारी उम्मीद छोड़ दी और उसे अमेरिका भेजने का फैसला किया. अपने बच्चों को फ्रांस लाने से पहले, उन्होंने फिलाडेल्फिया में पर्किओमिंग क्रीक पर एक सुंदर संपत्ति खरीदी थी. अब क्योंकि जीन जैक्स बड़ा हो गया था, वो वहां जाकर उसकी देखभाल कर सकता था.

अमेरिका में, जीन जैक्स को वो जीवन मिला जो वो हमेशा से चाहता था. भोर से सूर्यास्त तक, वो संपत्ति के चारों ओर के जंगलों में घूमता, वहां रहने वाले जानवरों और पक्षियों के बारे में हर संभव चीज़ खोजता था. कभी-कभी वो अपनी बंदूक लेकर शिकार करने जाता था. उसने घोड़े खरीदे और उन पर सवारी की. वो गर्मियों में मछली पकड़ता था और नदी के जमने पर उस पर स्केटिंग करता था. उसने पक्षियों की टांगों में छल्ले लगाने की कोशिश की ताकि वो उनके पलायन के बारे में और अधिक जान सके.

ऑडबोन को अमेरिका से प्यार हो गया. उसने शादी की, और वहीं बस गया. उसने अपना पूरा जीवन स्थानीय पक्षियों और जानवरों के चित्र बनाने और उनका वर्णन करने में बिताया. उसने अपना नाम बदला और फिर वो जॉन जेम्स ऑडबोन बन गया.

बड़े लोगों का बचपन

जॉन जेम्स ऑडबोन

पक्षियों के आर्टिस्ट